# Psa

## Chapter 104

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | בָּרְכִ֥י | נַפְשִׁ֗י | אֶת־ | יְה֫וָ֥ה | יְהוָ֣ה | אֱ֭לֹהַי | גָּדַ֣לְתָּ | מְּאֹ֑ד | ה֖וֹד | וְהָדָ֣ר | לָבָֽשְׁתָּ׃ |
| | धन्य-कह | मेरी-जान | – | यहोवा-को | यहोवा | मेरे-एलोहीम | तू-बड़ा-है | बहुत | तेज | और-शोभा | तूने-पहना-है |
| | H1288 | H5315 | H0853 | H3068 | H3068 | H0430 | H1431 | H3966 | H1935 | H1926 | H3847 |

हे मेरे मन, यहोवा को धन्य कह! हे यहोवा, हे मेरे परमेश्वर, तू है अतिमहान! तूने महिमा और आदर के वस्त्र पहने हैं।

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | עֹֽטֶה־ | א֭וֹר | כַּשַּׂלְמָ֑ה | נוֹטֶ֥ה | שָׁ֝מַ֗יִם | כַּיְרִיעָֽה׃ |
| | ओढ़ने-वाला- | ज्योति | चादर-की-तरह | फैलाने-वाला | आकाश | परदे-की-तरह |
| | | H0216 | H8008 | H5186 | H8064 | H3407 |

तू प्रकाश से मण्डित है जैसे कोई व्यक्ति चोंगा पहने। तूने व्योम जैसे फैलाये चंदोबा हो।

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | הַֽמְקָרֶ֥ה | בַמַּ֗יִם | עֲֽלִיּ֫וֹתָ֥יו | הַשָּׂם־ | עָבִ֥ים | רְכוּב֑וֹ | הַֽ֝מְהַלֵּ֗ךְ | עַל־ | כַּנְפֵי־ | רֽוּחַ׃ |
| | जो-डालता-है | पानी-में | अपने-ऊपरी-कक्षों-को | जो-बनाता-है- | बादलों | अपना-रथ | जो-चलता-है | पर- | पंखों- | हवा-के |
| | | H4325 | H5944 | | H5645 | H7398 | H1980 | | H3671 | H7307 |

हे परमेश्वर, तूने उनके ऊपर अपना घर बनाया, गहरे बादलों को तू अपना रथ बनाता है, और पवन के पंखों पर चढ़ कर आकाश पार करता है।

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | עֹשֶׂ֣ה | מַלְאָכָ֣יו | רוּח֑וֹת | מְ֝שָׁרְתָ֗יו | אֵ֣שׁ | לֹהֵֽט׃ |
| | जो-बनाता-है | अपने-दूतों-को | हवाएं | अपने-सेवकों-को | आग | ज्वलन्त |
| | | H4397 | H7307 | H8334 | H0784 | H3857 |

हे परमेश्वर, तूने निज दूतों को वैसे बनाया जैसे पवन होता है। तूने निज दासों को अग्नि के समान बनाया।

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | יָֽסַד־ | אֶ֭רֶץ | עַל־ | מְכוֹנֶ֑יהָ | בַּל־ | תִּ֝מּ֗וֹט | עוֹלָ֥ם | וָעֶֽד׃ |
| | उसने-स्थापित-की- | पृथ्वी | पर- | उसकी-नींवों | नहीं- | वह-हिलेगी | सदा | और-सदा |
| | H3245 | H0776 | | H4349 | H1077 | H4131 | H5769 | H5703 |

हे परमेश्वर, तूने ही धरती का उसकी नीवों पर निमार्ण किया। इसलिए उसका नाश कभी नहीं होगा।

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | תְּ֭הוֹם | כַּלְּב֣וּשׁ | כִּסִּית֑וֹ | עַל־ | הָ֝רִ֗ים | יַֽעַמְדוּ־ | מָֽיִם׃ |
| | गहराई | वस्त्र-की-तरह | तूने-ढाका-उसे | पर- | पहाड़ों | खड़े-थे- | पानी |
| | H8415 | H3830 | H3680 | | H2022 | H5975 | H4325 |

तूने जल की चादर से धरती को ढका। जल ने पहाड़ों को ढक लिया।

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | מִן־ | גַּעֲרָתְךָ֣ | יְנוּס֑וּן | מִן־ | ק֥וֹל | רַ֝עַמְךָ֗ | יֵחָפֵזֽוּן׃ |
| | से- | तेरी-डांट | वे-भागे | से- | आवाज़ | तेरी-गरज-की | वे-जल्दी-से-भागे |
| | | H1606 | H5127 | | | H7482 | H2648 |

तूने आदेश दिया और जल दूर हट गया। हे परमेश्वर, तू जल पर गरजा और जल दूर भागा।

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | יַעֲל֣וּ | הָ֭רִים | יֵרְד֣וּ | בְקָע֑וֹת | אֶל־ | מְ֝ק֗וֹם | זֶ֤ה | יָסַ֬דְתָּ | לָהֶֽם׃ |
| | चढ़े | पहाड़ | उतरे | घाटियों-में | – | स्थान-को | यह | तूने-स्थापित-किया | उनके-लिए |
| | H5927 | H2022 | H3381 | H1237 | H0413 | H4725 | H2088 | H3245 | H1992 |

पर्वतों से निचे घाटियों में जल बहने लगा, और फिर उन सभी स्थानों पर जल बहा जो उसके लिये तूने रचा था।

9

| גְּבוּל־ | שַׂמְתָּ | בַּל־ | יַעֲבֹרוּן | בַּל־ | יְשׁוּבוּן | לְכַסּוֹת | הָאָרֶץ׃ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सीमा- | तूने-रखी | नहीं- | वे-पार-करेंगे | नहीं- | वे-लौटेंगे | ढाकने-के-लिए | पृथ्वी-को |
| H1366 | | H1077 | | H1077 | H7725 | H3680 | H0776 |

> तूने सागरों की सीमाएँ बाँध दी और जल फिर कभी धरता को ढकने नहीं जाएगा।

10

| הַֽמְשַׁלֵּחַ | מַעְיָנִים | בַּנְּחָלִים | בֵּין | הָרִים | יְהַלֵּכוּן׃ |
|---|---|---|---|---|---|
| जो-भेजता-है | झरनों-को | नालों-में | बीच | पहाड़ों-के | वे-बहते-हैं |
| H7971 | H4599 | | H0996 | H2022 | H1980 |

> हे परमेश्वर, तूने ही जल बहाया। सोतों से नदियों से नीचे पहाड़ी नदियों से पानी बह चला।

11

| יַשְׁקוּ | כָּל־ | חַיְתוֹ | שָׂדָי | יִשְׁבְּרוּ | פְרָאִים | צְמָאָם׃ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वे-पिलाते-हैं | सब- | जीवों-को | मैदान-के | बुझाते-हैं | जंगली-गधे | अपनी-प्यास |
| H8248 | H3605 | | | H7665 | H6501 | H6772 |

> सभी वन्य पशुओं को धाराएँ जल देती हैं, जिनमें जंगली गधे तक आकर के प्यास बुझाते हैं।

12

| עֲלֵיהֶם | עוֹף־ | הַשָּׁמַיִם | יִשְׁכּוֹן | מִבֵּין | עֳפָאיִם | יִתְּנוּ־ | קוֹל׃ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| उनके-ऊपर | पक्षी- | आकाश-के | बसते-हैं | बीच-से | डालियों | वे-देते-हैं- | आवाज़ |
| | H5775 | H8064 | H7931 | H0996 | H6073 | H5414 | |

> वन के परिंदे तालाबों के किनारे रहने को आते हैं और पास खड़े पेड़ों की डालियों में गाते हैं।

13

| מַשְׁקֶה | הָרִים | מֵעֲלִיּוֹתָיו | מִפְּרִי | מַעֲשֶׂיךָ | תִּשְׂבַּע | הָאָרֶץ׃ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| जो-सींचता-है | पहाड़ों-को | अपने-ऊपरी-कक्षों-से | फल-से | तेरे-कार्यों-के | तृप्त-होती-है | पृथ्वी |
| H8248 | H2022 | H5944 | H6529 | H4639 | H7646 | H0776 |

> परमेश्वर पहाड़ों के ऊपर नीचे वर्षा भेजता है। परमेश्वर ने जो कुछ रचा है, धरती को वह सब देता है जो उसे चाहिए।

14

| מַצְמִיחַ | חָצִיר | לַבְּהֵמָה | וְעֵשֶׂב | לַעֲבֹדַת | הָאָדָם | לְהוֹצִיא | לֶחֶם | מִן־ | הָאָרֶץ׃ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| जो-उगाता-है | घास | पशुओं-के-लिए | और-पौधे | सेवा-के-लिए | आदम-की | निकालने-के-लिए | रोटी | से- | पृथ्वी |
| H6779 | | H0929 | H6212 | H5656 | H0120 | H3318 | H3899 | | H0776 |

> परमेश्वर, पशुओं को खाने के लिये घास उपजाई, हम श्रम करते हैं और वह हमें पौधे देता है। ये पौधे वह भोजन है जिसे हम धरती से पाते हैं।

15

| וְיַיִן | יְשַׂמַּח | לְבַב־ | אֱנוֹשׁ | לְהַצְהִיל | פָּנִים | מִשָּׁמֶן | וְלֶחֶם | לְבַב־ | אֱנוֹשׁ | יִסְעָד׃ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| और-दाखरस | आनन्दित-करती-है | हृदय-को- | मनुष्य-के | चमकाने-के-लिए | चेहरा | तेल-से | और-रोटी | हृदय-को- | मनुष्य-के | दृढ़-करती-है |
| H3196 | H8055 | H3824 | H0582 | | H6440 | H8081 | H3899 | H3824 | H0582 | H5582 |

> परमेश्वर, हमें दाखमधु देता है, जो हमको प्रसन्न करती है। हमारा चर्म नर्म रखने को तू हमें तेल देता है। हमें पुष्ट करने को वह हमें खाना देता है।

16

| יִשְׂבְּעוּ | עֲצֵי | יְהוָה | אַרְזֵי | לְבָנוֹן | אֲשֶׁר | נָטָע׃ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| तृप्त-होते-हैं | वृक्ष | यहोवा-के | देवदार | लबानोन-के | जो | उसने-लगाए |
| H7646 | H6086 | H3068 | H0730 | H3844 | | H5193 |

> लबानोन के जो विशाल वृक्ष हैं वह परमेश्वर के हैं। उन विशाल वृक्षों हेतु उनकी बढ़वार को बहुत जल रहता है।

17

| אֲשֶׁר־ | שָׁם | צִפֳּרִים | יְקַנֵּנוּ | חֲסִידָה | בְּרוֹשִׁים | בֵּיתָהּ׃ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| जहां- | वहां | पक्षी | घोंसला-बनाते-हैं | सारस | सनोवरों-में | उसका-घर |
| | H8033 | H6833 | H7077 | H2624 | H1265 | |

> पक्षी उन वृक्षों पर निज घोंसले बनाते। सनोवर के वृक्षों पर सारस का बसेरा है।

18

| הָרִים | הַגְּבֹהִים | לַיְּעֵלִים | סְלָעִים | מַחְסֶה | לַשְׁפַנִּים׃ |
|---|---|---|---|---|---|
| पहाड़ | ऊंचे | जंगली-बकरियों-के-लिए | चट्टानें | शरण | बिज्जू-के-लिए |
| H2022 | H1364 | H3277 | H5553 | H4268 | |

> बनैले बकरों के घर ऊँचे पहाड़ में बने हैं। बिच्छुओं के छिपने के स्थान बड़ी चट्टान है।

19

| עָשָׂה | יָרֵחַ | לְמוֹעֲדִים | שֶׁמֶשׁ | יָדַע | מְבוֹאוֹ׃ |
|---|---|---|---|---|---|
| उसने-बनाया | चांद | नियत-समयों-के-लिए | सूर्य | जानता-है | अपना-अस्त |
| | H3394 | H4150 | H8121 | H3045 | H3996 |

> हे परमेश्वर, तूने हमें चाँद दिया जिससे हम जान पायें कि छुट्टियाँ कब है। सूरज सदा जानता है कि उसको कहाँ छिपना है।

20

| תָּשֶׁת־ | חֹשֶׁךְ | וִיהִי | לָיְלָה | בּוֹ־ | תִרְמֹשׂ | כָּל־ | חַיְתוֹ־ | יָעַר׃ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| तू-बनाता-है- | अन्धकार | और-होती-है | रात | उस-में- | रेंगते-हैं | सब- | जीव- | जंगल-के |
| H7896 | H2822 | H1961 | H3915 | | H7430 | H3605 | | |

> तूने अंधेरा बनाया जिससे रात हो जाये और देखो रात में बनैले पशु बाहर आ जाते और इधर—उधर घूमते हैं।

21

| הַכְּפִירִים | שֹׁאֲגִים | לַטָּרֶף | וּלְבַקֵּשׁ | מֵאֵל | אָכְלָם׃ |
|---|---|---|---|---|---|
| जवान-सिंह | दहाड़ते-हैं | शिकार-के-लिए | और-खोजते-हैं | एल-से | अपना-भोजन |
| | H7580 | H2964 | H1245 | H0410 | H0400 |

> वे झपटते सिंह जब दहाड़ते हैं तब ऐसा लगता जैसे वे यहोवा को पुकारते हों, जिसे माँगने से वह उनको आहार देता।

22

| תִּזְרַח | הַשֶּׁמֶשׁ | יֵאָסֵפוּן | וְאֶל־ | מְעוֹנֹתָם | יִרְבָּצוּן׃ |
|---|---|---|---|---|---|
| उगता-है | सूर्य | वे-इकट्ठे-होते-हैं | और- | अपनी-मांदों-में | वे-लेट-जाते-हैं |
| H2224 | H8121 | H0622 | H0413 | H4585 | H7257 |

> और पौ फटने पर जीवजन्तु वापस घरों को लौटते और आराम करते हैं।

23

| יֵצֵא | אָדָם | לְפָעֳלוֹ | וְלַעֲבֹדָתוֹ | עֲדֵי־ | עָרֶב׃ |
|---|---|---|---|---|---|
| निकलता-है | आदम | अपने-कार्य-के-लिए | और-अपनी-सेवा-के-लिए | तक- | सांझ |
| H3318 | H0120 | H6467 | H5656 | H5704 | H6153 |

> फिर लोग अपना काम करने को बाहर निकलते हैं। साँझ तक वे काम में लगे रहते हैं।

24

| מָה־ | רַבּוּ | מַעֲשֶׂיךָ׀ | יְהוָה | כֻּלָּם | בְּחָכְמָה | עָשִׂיתָ | מָלְאָה | הָאָרֶץ | קִנְיָנֶךָ׃ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| कैसे- | बहुत-हैं | तेरे-कार्य | यहोवा | सब-को | बुद्धि-में | तूने-बनाया | भरी-है | पृथ्वी | तेरी-संपत्ति-से |
| H4100 | H7231 | H4639 | H3068 | H3605 | H2451 | | H4390 | H0776 | H7075 |

> हे यहोवा, तूने अचरज भरे बहुतेरे काम किये। धरती तेरी वस्तुओं से भरी पड़ी है। तू जो कुछ करता है, उसमें निज विवेक दर्शाता है।

25

| זֶה | הַיָּם | גָּדוֹל | וּרְחַב | יָדָיִם | שָׁם־ | רֶמֶשׂ | וְאֵין | מִסְפָּר | חַיּוֹת | קְטַנּוֹת | עִם־ | גְּדֹלוֹת׃ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| यह | समुद्र | बड़ा | और-चौड़ा | हाथों-में | वहां- | रेंगने-वाले | और-नहीं | गिनती | जीव | छोटे | के-साथ- | बड़े |
| H2088 | H3220 | | H7342 | H3027 | H8033 | H7431 | H0369 | H4557 | | | | |

> यह सागर देखो! यह कितना विशाल है! बहुतेरे वस्तुएँ सागर में रहती हैं! उनमें कुछ विशाल है और कुछ छोटी हैं! सागर में जो जीवजन्तु रहते हैं, वे अगणित असंख्य हैं।

26

| שָׁם | אֳנִיּוֹת | יְהַלֵּכוּן | לִוְיָתָן | זֶה־ | יָצַרְתָּ | לְשַׂחֶק־ | בּוֹ׃ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वहां | जहाज़ | चलते-हैं | लिव्यातान | यह- | तूने-रचा | खेलने-के-लिए- | उस-में |
| H8033 | H0591 | H1980 | H3882 | H2088 | H3335 | H7832 | |

> सागर के ऊपर जलयान तैरते हैं, और सागर के भीतर महामत्स्य जो सागर के जीव को तूने रचा था, क्रीड़ा करता है।

27

| כֻּלָּם | אֵלֶיךָ | יְשַׂבֵּרוּן | לָתֵת | אָכְלָם | בְּעִתּוֹ׃ |
|---|---|---|---|---|---|
| ये-सब | तुझ-पर | ताकते-हैं | देने-के-लिए | अपना-भोजन | अपने-समय-में |
| H3605 | H0413 | | H5414 | H0400 | H6256 |

यहोवा, यह सब कुछ तुझपर निर्भर है। हे परमेश्वर, उन सभी जीवों को खाना तू उचित समय पर देता है।

28

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| תִּתֵּן | לָהֶם | יִלְקֹטוּן | תִּפְתָּח | יָדְךָ | יִשְׂבְּעוּן | טוֹב׃ |
| तू-देता-है | उन्हें | वे-इकट्ठे-करते-हैं | तू-खोलता-है | अपना-हाथ | वे-तृप्त-होते-हैं | भलाई-से |
| H5414 | H1992 | H3950 | H6605 | H3027 | H7646 | |

हे परमेश्वर, खाना जिसे वे खाते है, वह तू सभी जीवों को देता है। तू अच्छे खाने से भरे अपने हाथ खोलता है, और वे तृप्त हो जाने तक खाते हैं।

29

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| תַּסְתִּיר | פָּנֶיךָ | יִבָּהֵלוּן | תֹּסֵף | רוּחָם | יִגְוָעוּן | וְאֶל־ | עֲפָרָם | יָשׁוּבוּן׃ |
| तू-छिपाता-है | अपना-मुख | वे-घबराते-हैं | तू-लेता-है | उनकी-सांस | वे-मरते-हैं | और- | अपनी-धूल | वे-लौटते-हैं |
| H5641 | H6440 | H0926 | H0622 | H7307 | H1478 | H0413 | H6083 | H7725 |

फिर जब तू उनसे मुख मोड़ लेता तब वे भयभीत हो जाते हैं। उनकी आत्मा उनको छोड़ चली जाती है। वे दुर्बल हो जाते और मर जाते हैं और उनकी देह फिर धूल हो जाती है।

30

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| אֲדָמָה׃ | פְּנֵי | וּתְחַדֵּשׁ | יִבָּרְאוּן | רוּחֲךָ | תְּשַׁלַּח |
| भूमि-के | मुख-को | और-तू-नवीकृत-करता-है | वे-सृजे-जाते-हैं | अपनी-सांस | तू-भेजता-है |
| H0127 | H6440 | H2318 | | H7307 | H7971 |

हे यहोवा, निज आत्मा का अंश तू उन्हें दे। और वह फिर से स्वस्थ हो जोयेंगे। तू फिर धरती को नयी सी बना दे।

31

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| בְּמַעֲשָׂיו׃ | יְהוָה | יִשְׂמַח | לְעוֹלָם | יְהוָה | כְּבוֹד | יְהִי |
| अपने-कार्यों-में | यहोवा | आनन्दित-हो | सदा | यहोवा-की | महिमा | हो |
| H4639 | H3068 | H8055 | H5769 | H3068 | H3519 | H1961 |

यहोवा की महिमा सदा सदा बनी रहे! यहोवा अपनी सृष्टि से सदा आनन्दित रहे!

32

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| וְיֵעָשֵׁנוּ׃ | בֶּהָרִים | יִגָּע | וַתִּרְעָד | לָאָרֶץ | הַמַּבִּיט | |
| और-वे-धूमते-हैं | पहाड़ों-को | वह-छूता-है | और-वह-कांपती-है | पृथ्वी-को | जो-देखता-है | |
| H6225 | H2022 | H5060 | H7460 | H0776 | H5027 | |

यहोवा की दृष्टि से यह धरती काँप उठेगी। पर्वतों से धुआँ उठने लग जायेगा।

33

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| בְּעוֹדִי׃ | לֵאלֹהָי | אֲזַמְּרָה | בְּחַיָּי | לַיהוָה | אָשִׁירָה |
| जब-तक-मैं-हूं | अपने-एलोहीम-के-लिए | मैं-स्तुति-करूंगा | अपने-जीवन-भर | यहोवा-के-लिए | मैं-गाऊंगा |
| H5750 | H0430 | H2167 | | H3068 | H7891 |

मैं जीवन भर यहोवा के लिये गाऊँगा। मैं जब तक जीता हूँ यहोवा के गुण गाता रहूँगा।

34

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| בַּיהוָה׃ | אֶשְׂמַח | אָנֹכִי | שִׂיחִי | עָלָיו | יֶעֱרַב |
| यहोवा-में | आनन्दित-होऊंगा | मैं | मेरा-मनन | उस-पर | मीठा-हो |
| H3068 | H8055 | H0595 | H7879 | | H6149 |

मुझको यह आज्ञा है कि जो कुछ मैंने कहा है वह उसे प्रसन्न करेगा। मैं तो यहोवा के संग में प्रसन्न हूँ!

35

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| יְהוָה | אֶת־ | נַפְשִׁי | בָּרֲכִי | אֵינָם | עוֹד | וּרְשָׁעִים | הָאָרֶץ | מִן־ | חַטָּאִים | יִתַּמּוּ |
| यहोवा-को | – | मेरी-जान | धन्य-कह | नहीं-हों | फिर | और-दुष्ट | पृथ्वी | से- | पापी | समाप्त-हों |
| H3068 | H0853 | H5315 | H1288 | H0369 | H5750 | H7563 | H0776 | | H2400 | H8552 |

| | |
|---|---|
| יָהּ׃ | הַלְלוּ־ |
| याह-की | स्तुति-करो- |
| H3050 | |

धरती से पाप का लोप हो जाये और दुष्ट लोग सदा के लिये मिट जाये। ओ मेरे मन यहोवा कि प्रशंसा कर। यहोवा के गुणगान कर!